वैश्विक अध्ययन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संश्लेषण

(सी जी एस हिंदी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्य- 'सामाजिक उत्थान एवं संवैधानिक प्रावधान : नीति बनाम राजनीति'

भारत में समाज सुधारों का एक दीर्घ इतिहास है। समय-समय पर समाज में प्रचलित रीतियों-नीतियों में आवश्यकतानुसार सकारात्मक परिवर्तन किया गया। चाहे किसी कुप्रथा को समाप्त करने का विषय हो अथवा प्रचलित मान्यता में संशोधन करने कर उसे अधिक तार्किक व समयानुकूल बनाने का, भारतीय समाज निरंतर इस दिशा में प्रगतिशील रहा है। स्वतंत्रता पश्चात इसी परंपरा को बनाए रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने भारतीय संविधान में विभिन्न ऐसे प्रावधान किए हैं जिनके द्वारा समाज सुधार एवं उत्थान की दिशा में कार्य किया जा सके। यद्यपि इस विषय पर कार्य करते हुए राज्य तथा समाज के मध्य तनाव व संघर्ष भी देखा गया है। जब-जब सरकारों ने संवैधानिक आधार पर किसी सामाजिक मान्यता अथवा नियम को परिवर्तित करने का प्रयास किया है, तब-तब पंथ व संस्कृति की सुरक्षा के संवैधानिक अधिकार को आधार बनाकर समाज के भीतर से ही विरोध के स्वर भी तीव्र हुए हैं, जिन्हें समय-समय पर राजनीतिक शक्तियों का भी समर्थन प्राप्त होता रहा है। प्रस्तुत कथ्य भारत में संविधान सम्मत समाज सुधारों के द्वारा सामाजिक उत्थान के विविध पक्षों एवं इस दिशा में निर्मित नीतियों एवं उन पर की जाने वाली राजनीति के मध्य द्वंद्व पर केंद्रित गंभीर लेखन की अपेक्षा करता है।

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

लेख मुख्य कथ्य '**सामाजिक उत्थान एवं संवैधानिक प्रावधान : नीति बनाम राजनीति**' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिंदी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।

2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।

3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।

4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

   क) अक्षर (फॉन्ट) - कृतिदेव 011 अथवा यूनिकोड

   ख) अक्षर आकार - 14

   ग) पंक्ति अंतराल - 1.5

   घ) संदर्भ प्रारूप - ए पी ए शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए । प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (Plagiarism Software) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षकों को अग्रेषित होगा। निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

6. लेखक का नाम, पद तथा संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए।

7. सह-लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है। लेखक / सह-लेखक किसी भी रूप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं।

8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन / घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा, जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

9. लेख को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा।

10. प्रकाशित लेख वैश्विक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक संपदा होगा।

लेख प्रेषण:

लेख (घोषणा पत्र सहित) एम एस वर्ड प्रारूप में synthesis.cgs@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि शुक्रवार, 14 जनवरी 2022 है।

संपर्क:

पत्रिका अथवा लेख के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए संपादक मंडल – synthesis.cgs@gmail.com / +91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष:

ई-मेल:

तिथि: **स्थान:**